


न्यायालय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश, ग्वालियर

पुनरीक्षण क्रं.

/ 2014

श्री विनोद मार्गव मीनो
द्वारा आज दि 7-6-14 को
प्रस्तुत


क्लर्क ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर


1. नुरा रीलाल सोनी पुत्र श्री मुन्नालाल
2. जुनलकिशोर सोनी पुत्र मुन्नालाल
3. विनोद सोनी पुत्र मुन्नालाल
4. सुरेश कुमार सोनी पुत्र मुन्नालाल
निवासीगण - धिपरसनिया मोहल्ला
छतरपुर तह. व जिला छतरपुर म.प्र.

...आवेदकगण

विरुद्ध

1. बलवीर सिंह पुत्र स्वामी सिंह यादव
निवासी वार्ड नं. 33 स्टडी रोड धाना
सिविल लाईन छतरपुर तहसील व जिला
छतरपुर म.प्र.
2. कुंवर विक्रम सिंह उर्फ नाती राजा
पुत्र श्री बलवंत सिंह जूदेव
निवासी राजमहल बजुराडो तहसील
राजनगर जिला छतरपुर म.प्र.

न्यायालय तहसीलद्वारा, तहसील छतरपुर जिला छतरपुर म.प्र. द्वारा प्रकरण क्रं कि 3/अ-6/07-08 में पारित आवेदन दिनांक 22.3.2014 के विरुद्ध म.प्र. भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अधीन पुनरीक्षण आवेदन ।


विनोद मार्गव
उपस्थित
ग्वालियर
6-06-2014

राजरव मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुपूर्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी प्रकरण क्रमांक - 1735/तीन/2014

जिला छतरपुर

स्थान
तथा
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

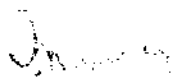
प्रस्तावित
अभिभाषक
हरतलवार

11.6.2014

यह निगरानी तहसीलदार छतरपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 3 अ 6 / 2007-08 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 22-3-14 का विरुद्ध मध्य प्रदेश मू. राजारव सहित 1959 की धारा 50 के अंतर्गत इस न्यायालय में दिनांक 7-6-14 को प्रस्तुत की गई है, जिसके कारण सर्वप्रथम अवधि विधान की धारा-5 के आवेदन का निराकरण किया जाना आवश्यक है।

2/ आवेदक के अभिभाषक को एवं कंविटकर्ता के अभिभाषक को अवधि की धारा-5 के आवेदन पर सुना। अवधि विधान की धारा-5 के आवेदन के समर्थन में आवेदक ने शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया है तथा आवेदक के अभिभाषक ने तर्कों में बताया कि आवेदक को यह जानकारी नहीं थी कि सविज्ञान सौभाग्य होने के कारण 9 दिवस की समाप्त के बजाय निगरानी प्रकरण क्रमांक 3 अ 6/07-08 के समर्थन में 60 दिवस ही बूकी है। प्रभावित प्रतिनिधि प्राप्त करने में एक पक्ष को समाप्त होने के जिसके कारण 12 दिवस का विलम्ब क्षमा योग्य है।

कंविटकर्ता अभिभाषक ने तर्कों में बताया कि तहसीलदार छतरपुर के समक्ष नामान्तरण प्रकरण क्रमांक 3/अ-6/07-08 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 19-2-14 का विरुद्ध आवेदक ने निगरानी क्रमांक 918/11/14 में मण्डल के समक्ष प्रस्तुत की, जो आदेश दिनांक 20-5-14 से निरस्त हुई है। तहसीलदार ने आवेदक को कई अवसर राक्ष्य प्रस्तुत करने हेतु विधि, किन्तु राक्ष्य प्रस्तुत नहीं की गई अपितु वरिष्ठ न्यायालयों में निगरानी करवा, समस्त व्यक्तियों के नाम आवेदन लगा है एवं नामान्तरण प्रकरण में निगरानी नहीं मान लेना कि निगरानी निगरानी बकाया है क्योंकि मण्डल के समक्ष राक्ष्य प्रस्तुत करने के बाद भी आवेदन में राक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए आवेदक को सूचित किया गया है।

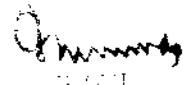


नियरानी जमाक 1735 / तीन / 2014

तहसीलदार का निर्देश दिये गये हैं कि यह तीन माह का मौजूदा जमानत प्रकरण का प्रतिम अद्य सन्वय करा करे। स्पष्ट है कि तहसीलदार ने जमानत न्यायालय के आदेश के पालन में आवेदक की आपत्ति साबित होने से जमानत की है क्योंकि 1-2 तीन माह का अवधि न प्रकरण का अंतिम निराकरण करेगा।

4 तहसीलदार का अन्तिम आदेश दिनांक 22-3-14 के आलाकन से यह भी प्रकृत गया है कि तहसीलदार ने धारा 151 जा0दी0 के अन्तर्गत प्रस्तुत आवेदन (आपत्ति) निरस्त करने के उपरान्त आवेदक ने तहसीलदार का समक्ष माग रखी है कि वह तहसीलदार के न्यायालय से प्रकरण अन्य न्यायालय में स्थानान्तरित कराना चाहता है इसलिये समय दिया जावे, जिससे तहसीलदार न दुनश्च न लेकर आवेदक को 28-3-14 तक का समय दिया है और इसी आदेश के अन्तर्गत आवेदक ने इस न्यायालय में जमानती प्रस्तुत की है। एसा प्रतीत होता है कि आवेदक मामात्रण प्रकरण का निराकरण वान दया नहीं कहता है एवं प्रकरण का निरस्तकरण करने का समय रखती है।

5 उपरोक्त कारण से तहसीलदार द्वारा पारित किये गये आदेश दिनांक 28-3-14 अन्तर्गत होने से परतक्षेप योग्य नहीं है। अतएव जमानत साबित पाठ होने से निरस्त की जाती है। पक्षकार टैप करे। अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति भजकर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा किया जावे।


मजिस्ट्रेट

Notes
12/3/14